Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

**Paper Code**
**BD-202**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination May – 2019**

**B.A. Philosophy (Semester: Second)**

**Philosophy**

**सांख्य–दर्शन–2**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड–अ
## (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. सांख्यदर्शन के आधार पर मोक्ष सम्बन्धो अन्यान्य दार्शनिक मतों का सप्रमाण निराकरण करें।
2. कपिल मुनि के अनुसार 'अत्यन्त दुःखनिवृत्ति' को ही मोक्ष कहा गया है, सुख की प्राप्ति को नहीं, इस सन्दर्भ में क्या विशेष हेतु हैं?
3. सांख्यदर्शन के आधार पर आत्मा के अस्तित्व को सप्रमाण सिद्ध करें।
4. "पौरुषेय" का क्या स्वरूप है? क्या वेदों को अपौरुषेय कहा जाना उचित है? यदि हाँ तो क्यों?
5. 'चेतन जगत् का उपादान कारण नहीं है' – प्रस्तुत कथन की पुष्टि हेतु प्रमाण प्रस्तुत करें।

## खण्ड–ब
## (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. सांख्यदर्शन में वर्णित बौद्धों तथा अद्वैत वेदान्तियों के ख्यातिवाद पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।
2. कर्मों के आधार पर सांख्य दर्शन में शरीर के कितने भेद कहे गये हैं?
3. "बहुशास्त्रगरूपासनेऽपि सारादानं षट्पदवत्" – प्रस्तुत सूत्र का भावार्थ स्पष्ट करें।
4. आख्यायिकाओं के आधार पर बताएं की योग साधक को कौन–सी सावधानियां तथा उपाय करने चाहिए?
5. अविवेक को अनादि न मानने पर क्या दोष होने की आशंका है?
6. वृत्तिनिरोध हेतु किन–किन साधनों का अनुष्ठान आवश्यक है? प्रमाणपूर्वक बताएं।

## खण्ड–स
## (अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(05×01=05)**

1. सांख्यदर्शन के पाँचवे अध्याय का क्या नाम है ?
2. ध्यान को परिभाषित करें।
3. सनन्दनाचार्य के अनुसार प्रकृति पुरुष संयोग में क्या कारण है ?
4. मुक्ति को परिभाषित करने वाला सूत्र लिखें।
5. व्याप्ति का क्या स्वरूप है?

----------x----------